

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 631वीं बैठक दिनांक 18/03/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
7. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. Case No 9709/2023 Smt. Uma Paliwal, Owner, R/o 71, Gram-Tajkheda, Tehsil-Taal, District-Ratlam (MP)-457118, Prior Environment Clearance for Kharwa Kalan Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (10000 Cum per annum) (Khasra No. 04 Govt.), Village-Kharwa Kalan, Tehsil-Tal, District-Ratlam (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 04 Govt.), Village-Kharwa Kalan, Tehsil-Tal, District-Ratlam (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती उमा पालीवाल (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 126 दिनांक 18/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 6.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार लीज शासकीय भूमि पर आवंटित है तथा इसका आंशिक भाग खुदा हुआ दिखाई दे रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह 2014 से खुदा है तथा हमको खदान इसी स्थिति में 2017 में आवंटित हुई है तथा हमने पिट सरफेस मैप में दिखाया है। खदान के पश्चिम दिशा में लगभग 106 मीटर पर पक्का रोड़ है अतः इसकी संरक्षण योजना एवं अतः तत्संबंध में ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करें। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जायेगा। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में

पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रतलाम ने पत्र क्रमांक 126 दिनांक 18/01/23 के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त उत्खनिपट्टा जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल नहीं है। आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल किया जावेगा। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पश्चिम दिशा में लगभग 106 मीटर पक्का रोड़ है अतः इसकी संरक्षण योजना एवं अतः तत्संबंध में ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करें।
2. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
3. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
4. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
5. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
6. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
7. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त उत्खनिपट्टा जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल नहीं है, आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित किया जायेगा अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो प्रस्तुत की जाये।

2. Case No 9710/2023 Shri Bane Singh Thakur, Authorized Signatory, R/o 158, Kanchan Bag, District-Indore (MP)-453331, Prior Environment Clearance for Pitawali Stone (Gitti & M-Sand) Quarry in an area of 3.00 ha. (Stone-20000, M-Sand-20000 Cum per annum) (Khasra No. 510, 511/1, 511/2, 514 & 515/1 (Private), Village-Pitawali, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP)

This is case of Stone (Gitti & M-Sand). The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 510, 511/1, 511/2, 514 & 515/1 (Private),

Village-Pitawali, Tehsil-Dewas, District-Dewas (MP) 3.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री बने सिंह (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 472 दिनांक 13/02/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 07 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 26.33 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है जिसके पश्चिम दिशा में 70 मीटर पर कच्चा रोड़ है अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास ने पत्र क्रमांक 472 दिनांक 13/02/23 के द्वारा सूचित किया गया है कि नवीन डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट सिया से अनुमोदित की जा चुकी है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल इमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। उक्त उत्खनिपट्टा में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण (उत्खनिपट्टा संचालन) हो जाने उपरांत नवीन डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर ली जावेगी। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पश्चिम दिशा में 70 मीटर पर कच्चा रोड़ है, अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
2. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
3. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
4. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
5. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।

6. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त उत्खनिपट्टा जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल नहीं है, आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित किया जायेगा अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो प्रस्तुत की जाये।

3. Case No 9705/2023 Shri Mehruddin Khan, Owner, R/o Village-Balsamud, Tehsil-Kasrawad, District-Khargon (MP)-454552, Prior Environment Clearance for Lodhipura Stone Gitty Quarry in an area of 4.00 ha. (25000 Cum per annum) (Khasra No. 97Peki (Govt.), Village-Lodhipura, Tehsil-Dharampuri, District-Dhar (MP)

This is case of Stone Gitty Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 97Peki (Govt.), Village-Lodhipura, Tehsil-Dharampuri, District-Dhar (MP) 4.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री मेहरुद्दीन खान (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना एवं सुश्री रीना त्रिवेदी (ऑनलाईन), मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 133 दिनांक 13/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 11.00 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार लीज शासकीय भूमि पर आवंटित है जिसका आंशिक भाग खुदा हुआ दिखाई दे रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पुराना पिट है तथा हमको खदान इसी स्थिति में दिसंबर, 22 में आवंटित हुई है तथा हमने पिट सरफेस मैप में दिखाया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान के दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगभग 190 मीटर की दूरी पर पानी की टंकी (ओवर हेड टैंक) एवं 210 मी. पर आबादी है तथा पूर्वी दिशा में 290 मी. पर जलाशय, दक्षिण-पूर्व दिशा में बांध है, पूर्व दिशा में 230 मी. पर मकाननुमा संरचना स्थित है। लीज एरिया के उत्तर-पश्चिम दिशा सुनियोजित कंटूर ट्रेंचेस दिखाई दे रही है अतः इनका विवरण जैसे यह कब और किस योजना के तहत बनाए गये थे, की जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑनलाईन अपलोड फार्म-1 में जानकारी (वृक्षारोपणों की संख्या, बजट, सीईआर हेतु प्रस्ताव इत्यादि) तथा प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत जानकारी में कुछ जगहों पर अंतर था जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रस्तुतीकरण बनाते समय कुछ जानकारियों में सेंक की विगत बैठकों में दिये गये सुझावों के अनुरूप सुधार किया गया है जिस कारण यह अंतर परिलक्षित हो रहा है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया है कि ईआईए प्रस्तुत करते समय ऑनलाईन जानकारी ईआईए में उल्लेखित जानकारी के अनुरूप ही अपलोड की जाये। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। परियोजना प्रस्तावक जिले का अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड नहीं की गई है चूंकि नवीन

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया । अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगभग 190 मीटर की दूरी पर पानी की टंकी(ओव्हर हेड टैंक) एवं 210 मी. पर आबादी है तथा पूर्वी दिशा में 290 मी. पर जलाशय, दक्षिण-पूर्व दिशा में बांध है, पूर्व दिशा में 230 मी. पर मकाननुमा संरचना स्थित है।
2. लीज एरिया के उत्तर-पश्चिम दिशा सुनियोजित कंटूर ट्रेंचेस दिखाई दे रही है अतः इनका विवरण जैसे यह कब और किस योजना के तहत बनाए गये थे, की जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आंवटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. चूंकि आंवटित स्थल पहाड़ पर स्थित है, अतः खनिज परिवहन मार्ग तथा सरफेस रनऑफ मैनेजमेंट प्लान ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करें ।
7. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लान, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
8. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
9. परियोजना प्रस्तावक जिले का अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड नहीं की गई है तथापि प्रकरण बी-1 श्रेणी का है, अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज है ।

4. Case No 9692/2023 Shri Ajay Payak, Lease Owner, R/o Khare ki Devi Ke Pass, District-Chhatarpur (MP)-471001, Prior Environment Clearance for Chauka Stone Mine in an area of 1.752 ha. (30000 Cum per annum) (Khasra No. 1247), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP)

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1247), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP) 1.752 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री अजय पायक (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाय गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 54 दिनांक 06/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 15.104 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है जिसका आंशिक भाग पठार पर है तथा खदान के अंदर से उत्तर-पूर्व दिशा से एक कच्चा रोड निकल रहा है एवं दक्षिण दिशा में लगभग 170 मी. पर एक कच्चा रोड है, उत्तर-पूर्व दिशा में 62 मी. की दूरी पर एक मकान स्थित है। खदान के उत्तर दिशा में 225 मी. की दूरी Low Lying Area है जिसमें जल भरा हुआ है अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊंचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-66 के सरल क्रमांक-54 पर दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है:-

1. खदान का आंशिक भाग पठार पर परिलक्षित हो रहा है तथा खदान के अंदर से उत्तर-पूर्व दिशा से एक कच्चा रोड निकल रहा है एवं दक्षिण दिशा में लगभग 170 मी. पर एक कच्चा रोड है, उत्तर-पूर्व दिशा में 62 मी. की दूरी पर एक मकान स्थित है। खदान के उत्तर दिशा में 225 मी. की दूरी Low Lying Area है जिसमें जल भरा हुआ है अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
2. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊंचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. सर्वेस रन-ऑफ मैनेजमेंट प्लान ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
4. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
5. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
6. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉपट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
7. चूंकि आवंटित स्थल पहाड़ पर स्थित है, अतः खनिज परिवहन मार्ग तथा सरफेस रनऑफ मैनेजमेंट प्लान ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करें।
8. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।

9. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

5. Case No 9693/2023 Shri Lokendra Rathore S/o Suraj Narayan Rathore, Owner, R/o Ratan Colony, Jiwajiganj Gird, Tehsil-Lashkar, District-Gwalior (MP)-474001, Prior Environment Clearance for Jakhoda Flag Stone Quarry in an area of 1.500 ha. (5000 Cum per annum) (Khasra No. 954), Village-Jakhoda, Tehsil-Ghatigaon, District-Gwalior (MP)

This is case of Flag Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 954), Village-Jakhoda, Tehsil-Ghatigaon, District-Gwalior (MP) 1.500 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री लोकेन्द्र राठौर (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पांडा, मे0. ओसियो इंवारी मैनेजमेंट साल्यूशन इंडिया प्रा.लि., गाजियाबाद (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 26 दिनांक 03/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 07.32 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूमि पर आवंटित है जिसका आंशिक भाग पठार के ढलान पर है खदान के दक्षिण-पूर्व दिशा में लगभग 282 मीटर की दूरी पर बांध स्थित है। अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये । प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊंचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के पत्र क्र0. 26 दिनांक 03/01/2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ ली जावेगी। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया । अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेकजर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. गूगल इमेज अनुसार खदान का आंशिक भाग पठार के ढलान पर परिलक्षित हो रहा है खदान के दक्षिण-पूर्व दिशा में लगभग 282 मीटर की दूरी पर बांध स्थित है। अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये ।
2. सर्वेस रन-ऑफ मैनेजमेंट प्लान ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये ।

3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. चूंकि आवंटित स्थल पहाड़ पर स्थित है, अतः खनिज परिवहन मार्ग तथा सरफेस रनऑफ मैनेजमेंट प्लान ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत करें ।
7. ओवर बर्दन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
8. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
9. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त उत्खनिपट्टा जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल नहीं है, आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित किया जायेगा अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो प्रस्तुत की जाये ।

6. Case No 9697/2023 Shri Surendra Parihar, Lease Owner, R/o House No. 41, Ward No. 3, In front of Mandir, Gram & Post – Chauka, District-Chhatarpur (MP)-471301, Prior Environment Clearance for Chauka Stone Mine in an area of 2.80 ha. (50000 Cum per annum) (Khasra No. 1247 Govt.), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP)

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1247 Govt.), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP) 2.80 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुरेन्द्र परिहार (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 55 दिनांक निरंक अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 16.152 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान का शासकीय भूति पर आवंटित है जिसके दक्षिण दिशा में लगभग 10 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड है तथा उत्तर दिशा में 200 मी. की दूरी पर एक मकान है । अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये । प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-66 के सरल क्रमांक-53 पर दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में लगभग 10 मीटर की दूरी पर एक कच्चा रोड है तथा उत्तर दिशा में 200 मी. की दूरी पर एक मकान है। अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
2. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गirth फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
6. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लान, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।

7. Case No 9699/2023 Shri Brijendra Singh Gautam, Partner, M/s Shri Krushna Universe, R/o D-48, Green Avenue Colony, Satai Road, District-Chhatarpur (MP)-471001, Prior Environment Clearance for Chauka Stone Mine in an area of 3.80 ha. (100000 Cum per annum) (Khasra No. 1247 Govt.), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP)

This is case of Stone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1247 Govt.), Village-Chauka, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP) 3.80 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री ब्रजेन्द्र सिंह गौतम (ऑनलाईन) उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 53 दिनांक 06/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य

खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 17.152 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूति पर आवंटित है जिसमें से एक कच्चा रोड निकल रहा है तथा उत्तर -पश्चिम दिशा में 86 मी. की दूरी पर एक मकान है । अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये । प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई. आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-67 के सरल क्रमांक-55 पर दर्ज है । उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान में से कच्चा रोड निकल रहा है तथा उत्तर -पश्चिम दिशा में 86 मी. की दूरी पर एक मकान है । अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये ।
2. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान, प्रजाति एवं रोपण योजना का विवरण ई. आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

8. Case No 9700/2023 Shri Ashish Virendra Bansal, Director, M/s Impex Commercial Private Limited, R/o G-1, Indrasukh Apartment, 15A, Shree Nagar Annex District-Indore (MP)-452008. Prior Environment Clearance for Mini Steel Plant for Expansion in production capacity from 24000 MTPA to 120000 MTPA of Iron TMT Bards, Round Angle, Channels at Plot No. 259/5 Lebad, Tehsil & District-Dhar (MP) . Category-3(a) Metallurgical Industries (Ferrous and non -Ferrous).

This is case of Environment Clearance Mini Steel Plant for Expansion in production capacity from 24,000 MTPA to 1,20,000 MTPA of Iron TMT Bards, Round Angle, Channels at Plot No. 259/5 Lebad, Tehsil & District-Dhar (MP) . Category-3(a) .

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 18 मार्च 2023

The case was presented by Env. Consultant Shri Mukesh Kaore, M/s. Creative Enviro Services, Bhopal (M.P.) and PP Shri Ashish Virendra Bansal, Director (on line). During presentation following details were provided:-

1. The industry is in operation from before 2006 valid Consents from State Pollution Control Board under section Water & Air Act, valid upto 31/10/2027
2. Existing Capacity – 24000 MTPA (with 2x 10 T Induction furnace)
3. Products – Iron TMT Bars /Rounds Angle channel
4. Location – 259/5 Village Lebad, Ghatabillod Distt. Dhar .
5. Due to Market demand and available infrastructure the Company is planning to enhance the production capacity by installing one more Induction furnace of capacity 10T with expansion as follows:

S. No.	Product	Existing capacity	Proposed capacity	Capacity after expansion	Estimated cost after expansion
1.	Iron TMT Bars,, Round Angle, Channel	24000 MTPA	96000 MTPA	120000 MTPA	22.0 Crores

During presentation committee suggested since plant was in operation on the basis of M.P. Pollution control Board, PP shall submit self certified compliance report of consent conditions with documentary evidences and photographs and updated consent of the MPPCB. Committee also suggested that proposal such as secondary fume extraction system, all internal roads pucca, road sweeping machines, adequate space for raw material storage and finish good storage etc shall be discussed in nthe EIA report. During presentation it was observed by the committee that adequate green belt is not developed in and around the project side thus proposal for green belt development shall be submitted with EIA report. Committee after deliberations recommended to issue standard TOR prescribed by the MoEF&CC for conducting the EIA along with following additional TOR's as annexed as annexure "D":-

1. Since plant was in operation on the basis of M.P. Pollution control Board, PP shall submit self certified compliance report of consent conditions with documentary evidences and photographs and updated consent of the MPPCB.
2. Committee also suggested that proposal such as secondary fume extraction system, all internal roads pucca, road sweeping machines, adequate space for raw material storage and finish good storage etc shall be discussed in nthe EIA report.
3. During presentation it was observed by the committee that adequate green belt is not developed in and around the project side thus proposal for green belt development shall be submitted with EIA report.

4. Ambient Air Quality Monitoring Stations should be located in all the villages which are within 01 kms radius of the project site and habited area located in close proximity on the north-east side of the plant and incremental GLC should be predicted in all such villages and habited area with proper mitigation measures in EIA report.
5. Furnish details of C_{O2} emission & quantification from different sources and their management plan w.r.t. carbon foot print shall be studied and discussed in EIA report.
6. In EIA study the mode of transportation, storage and disposal of Iron scrap, Slage and refractory waste shall be discussed along with their impacts.
7. Transportation plan & traffic management plan should be discussed in the EIA report.
8. Inventory of all sensitive receptors in 2 Km & 5 Km around the mine.
9. Onsite pictures of monitoring and survey along with date and time on photographs should be attached with the EIA report.

9. Case No 9701/2023 Shri Ashish Patel, Divisional Manager, MPRDC, Behind Gandhi Stadium, Ward No. 8, Pandav Nagar, District-Shahdol (MP)-484001. Prior Environment Clearance for Prior Environment Clearance for Construction of 500 bedded Hospital & 100 seated Medical College [Total Plot Area-160638.65 sqm, Total Built-up Area-46249.43 sqm) at Khasra No. 1549, 1551, 1552(P), 45/1, 47/1, Village-Kotma and Chapa, Tehsil-Sohagpur, District-Shahdol, (MP) .

This is case of Environment Clearance for Construction of 500 bedded Hospital & 100 seated Medical College [Total Plot Area-160638.65 sqm, Total Built-up Area-46249.43 sqm) at Khasra No. 1549, 1551, 1552(P), 45/1, 47/1, Village-Kotma and Chapa, Tehsil-Sohagpur, District-Shahdol, (MP) under violation.

The case was presented by Env. Consultant Shri Krishan Chandra Panda, M/s. Oceao Enviro Management Solutions India Pvt. Ltd. Noida, UP (online) and PP Shri Ashish Patel, Divisional Manager, MPRDC Shahdol (online). During presentation PP submitted that its 100 % completed project wherein construction was started since 2015 and thus they have filed the application under violation category. During presentation it was observed that a pond is in close proximity on the estaern side of the project thus its protection plan considering HFL shall be discussed in the EIA report. Simillarly, it was observed by the committee from the past google images that number of tree were in existence before construction took lace on the project site thus PP shall submit the inventory of trees on site before construction started, trees uprooted, details of permission obtained for uprooting of trees and green belt development scheme in the EIA report. Details such as area provided

for parking, ETP, STP, Laundry etc shall also be discussed in the EIA report with all components.

After deliberation, Committee considering the recent GoI, MoEF & CC, OM F. No. 22-21/2020-IA.III dated 07.07.2021 & Notification S. O. 1030 (E), dated 8th March, 2018 recommends that case may be dealt as per the provisions laid down in this notification and the project may granted Terms of Reference for undertaking Environment Impact Assessment and preparation of Environment Management Plan on assessment of ecological damage, remediation plan and natural and community resource augmentation plan and it shall be prepared as a independent chapter in the EIA report by the accredited consultant and the collection and analysis of data for assessment of ecological damage, preparation of remediation plan and natural and community resource augmentation plan shall be done by an environmental laboratory accredited by the National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories. Committee also suggested that proof of expenditure done till date against project cost shall be submitted with CA certificate considering all credible documents taken in to consideration for assessment and same shall be appended with the EIA report.

Hence committee recommended to issue additional TOR as per OM F. No. 22-21/2020-IA.III dated 07.07.2021 & Notification S. O. 1030 (E), dated 8th March, 2018 along with standard TOR prescribed by the MoEF&CC for conducting the EIA along with following additional TOR's and as per Annexure-D:-

1. Status report of constriction took place so far, possession given to how many families etc.
2. A pond is in close proximity on the eastern side of the project thus its protection plan considering HFL shall be discussed in the EIA report.
3. It was observed by the committee from the past google images that number of tree were in existence before construction took place on the project site thus PP shall submit the inventory of trees on site before construction started, trees uprooted, details of permission obtained for uprooting of trees and green belt development scheme in the EIA report.
4. Details such as area provided for parking, ETP, STP, Laundry etc shall also be discussed in the EIA report with all components.
5. Furnish details of CO₂ emission & quantification from different sources as DG sets and their management plan w.r.t. carbon foot print shall be studied and discussed in EIA report.
6. Provision of additional exit gate in the proposed project, at the time of emergency.
7. Project description, its importance and the benefits.
8. Under energy conservation plan detail-out solar light erection panels.

9. Project site detail (location, toposheet of the study area of 10 Km, coordinates, google map, layout map, land use, geological features and geo-hydrological status of the study area, drainage).
10. Land use as per the approved Master Plan of the area, permission/approvals required from the land owning agencies, Development Authorities, Local Body, Water Supply & Sewerage Board etc.
11. Forest and Wildlife and eco-sensitive zones, if any in the study area of 10 Km Clearances required under the Forest (Conservation) Act, 1980, the Wildlife (Protection) Act, 1972 and/or the Environment (Protection) Act, 1986.
12. Baseline environmental study for ambient air (PM10, PN2.5, SO2, NOx & CO), water (both surface and ground), noise and soil for one season (except monsoon period) as per MoEF & CC/CPCB guidelines at minimum 5 locations in the study area of 10 Km.
13. Details on flora and fauna and socio-economic aspects in the study area.
14. Likely impact of the project on the environmental parameters (ambient air, surface and ground water, land, flora and fauna and socio-economic, etc.)
15. Sources of water for different identified purpose with the permissions required from the concerned authorities, both for surface water and the ground water (by CGWA) as the case may be, Rain water harvesting, etc.
16. Waste water management (treatment, reuse and disposal) for the project and also the study area.
17. Management of solid waste and the construction & demolition waste for the project vis-à-vis the Solid Waste Management Rules, 2016 and the Construction & Demolition Rules, 2016. Similarly, Management of Bio-medical Waste shall be discussed in the EIA report.
18. Energy efficient measures (LED lights, solar power, etc) during construction as well as during operational phase of the project.
19. Assessment of ecological damage with respect to flora & fauna air, water, land and other environmental attributes. The collection and analysis of data shall be done by an environmental laboratory duly notified under the Environmental (Protection) Act, 1986, or an environmental laboratory accredited by NABL, or a laboratory of a Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) institution working in the field of environment.
20. Preparation of EMP comprising remediation plan and natural community resource augmentation plan corresponding to the ecological damage assessed and economic benefits derived due to violation.
21. The remediation plan and the natural and community resource augmentation plan to be prepared as an independent chapter in the EIA report by the accredited consultant.

22. Cost of project with documentatry evidences wrt impose penalty as per point no 12 of SOP of MoEF&CC dated 07/07/21. Proof of expenditure done till date against project cost shall be submitted with CA certificate considering all credible documents taken in to consideration for assessment and same shall be appended with the EIA report.
23. Proof of initiation credible action under E (P) Act, 1986.

10. Case No 9702/2023 Shri Prabodh Kumar Sharma, Executive Engineer, Office of the Executive Engineer, Water Resources Division, In Front of T.B. Senoterium, Chhindwara (MP)-480001. Prior Environment Clearance for CIC Balancing Reservoir is proposed in the Kanhan Sub basin to irrigate 35000 ha. CCA in an area of 852.48 ha. at Tehsil- Pandhurna, District-Chhindwara (MP). Category-1-c, [under River Valley and Hydroelectric Projects]

This is a River Valley projects involving > 10,000 ha. of culturable command area falls under category "B" and have been mentioned at SN. 1(c) column B of Schedule of EIA Notification, hence such projects are required to obtain prior EC from the SEIAA.

This is case of Prior Environment Clearance for CIC Balancing Reservoir is proposed in the Kanhan Sub basin, Chhindwara District to Irrigate 35,000 Ha Culturable Command area in Pandhurna tehsil of Chhindwara District, Madhya Pradesh. This is one of the three dams proposed as part of Chhindwara Irrigation Complex Scheme.

The case was presented by the Mr. Ravinder Bhatia, (online) Env. Consultant from M/s. R. S. Envirolink Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon (Haryana) along with PP MS Kumkum Kaurav, Executive Engineer, Water Resources Division, Chhindwara, (online) wherein PP stated that around 74.21 ha. of forest land will be acquired for development of Project components and access roads. This will impact the local flora and fauna. The impacts associated with this development will be studied in detailed during the EIA process and forest diversion will be applied under the Forest Conservation Act. PP submitted following salient features of the project:

- CIC Balancing Reservoir is proposed in the Kanhan Sub basin, Chhindwara District to Irrigate 35,000 Ha Culturable command area in Pandhurna tehsil of Chhindwara District, Madhya Pradesh. This project is proposed on the basis of availability of water, low irrigation facility in the area, demand and other socio-economic factors.
- CIC Balancing Reservoir is proposed to be constructed near Bhuyari Village, Pandhurna Tehsil of Chhindwara District located around 90 KM from Chhindwara City. The proposed CIC Balancing Reservoir capacity is 95 MCM, approximate Length is 1970 M. The bed level is 417 MSL and FRL is 448 M.

- Constructing one no of pump house for lifting water to command area, pump house will consume 20.37 MW for running pumps lifting 1.55 cumecs of water from Balancing reservoir and carrying water to command area through pipe line for irrigating 35000 Ha covering 102 villages in Pandhurna Tehsil, Chhindwara District,
- It is proposed to install a single circuit 132KV transmission line for drawing power for running pumps during irrigation period. It is proposed to construct the project within a period of seven years including infra'structure development which is proposed to be completed within 3 months. The total cost of this proposed balancing reservoir and command area development is estimated 675 crores.
- Diversion of 74.2L Ha of forest land for non-forest purpose will be involved for construction of Balancing Reservoir project components. Therefore, Forest Clearance to be obtained under Forest Conservation Act.
- Distance of nearest protected area i.e. Pench National Park is 37.66 km which is more than 10 km, thus, Wildlife Protection Act is not applicable for this project.

During presentation it was suggested by committee that KML of FC clearance and EC clearance shall be submitted with EIA report with forest compartment history as per current forest plan. Committee after deliberations recommended to issue standard TOR prescribed by the MoEF&CC for conducting the EIA along with following additional TOR's:-

1. Since project involves 74.20 ha., forest area, F.C. clearance has to be obtained by PP and copy of the same should be submitted with EIA report.
2. Bifurcation of RF and PF details (if any).
3. CAT plan shall be prepared and the same shall be approved by the concerned DFO.
4. KML of FC clearance and EC clearance shall be submitted with EIA report with forest compartment history as per current forest plan.
5. Tectonics, seismicity and history of past earthquakes in the area. A site specific study of the earthquake parameters will be done. The results of the site specific earthquake design shall be sent for approval of the NCSDP (National committee of Seismic Design Parameters, Central water commission, New Delhi for large dams.
6. If any issue involved to R&R, shall be elaborated in EIA with proper provisions issued by various State /central Government orders/ notification.
7. In case of R&R is proposed then list of all the Project Affected Families (PAFs) with their name, age, educational qualification, family size, sex, religion, caste, sources of income, land & house holdings, other properties, occupation, source of income, house/land to be acquired for the project and house/land left with the family, any other property, possession of cattle, type of house etc.
8. Resettlement and Rehabilitation Plan needed to be prepared on the basis of findings of the socio- economic survey coupled with the outcome of public consultation held. The R&R package shall be prepared after consultation with the representatives of the

project affected families and the State Government. Detailed budgetary estimates are to be provided. Resettlements site should be identified. The plan will also incorporate community development strategies.

9. Special attention has to be given to vulnerable groups like women, aged persons etc. and to any ethnic/indigenous groups that are getting affected by the project.
10. Impacts of blasting activity during project construction which generally destabilize the land mass and leads to landslides, damage to properties and drying up of natural springs and cause noise population will be studies. Proper record shall be maintained of the baseline information in the post project period.
11. All muck disposal sites should be minimum 30 m away from the HFL of river. The quantity of muck to be generated and the quantity of muck proposed to be utilized shall be calculated in consultation with the project authorities. Details of each dumping site viz. area, capacity, total quantity of muck that can be dumped etc. should be worked out and discussed in the plan. Plan for rehabilitation of muck disposal sites should also be given. The L-section / cross section of muck disposal sites and approach roads should be given. The plan shall have physical and financial details of the measures proposed. Layout map showing the dumping sites vis-à-vis other project components will be prepared and appended in the chapter.

11. Case No 9703/2023 Shri Yatish Jain, Executive Engineer, Division No. 1, Bhopal Development Authority, Pragati Bhawan, Press Complex, M.P. Nagar, Zone-1, District-Bhopal (MP)-462011. Prior Environment Clearance for area development project "Infrastructure Development Work of 45M Wide Master Plan Road (TDS-201/2020) [Total Plot Area-2269107.6 sqm, Total Built-up Area-1443221.17 sqm] at Khasra No. 1549, 1551, 1552(P), 45/1, 47/1, Village-Jhagriya, Katara, Bagli, Bhopal, Tehsil-Huzur, District-Bhopal, (MP). Category-8-b.

This is case of Prior Environment Clearance for Area Development Project of "Infrastructure Development Work of 45M Wide Master Plan Road (TDS-201/2020) [Total Plot Area-2269107.6 sqm, Total Built-up Area-1443221.17 sqm] at Khasra No. 1549, 1551, 1552(P), 45/1, 47/1, Village-Jhagriya, Katara, Bagli, Bhopal, Tehsil-Huzur, District-Bhopal, (M.P.) Cat. - 8(b) Township and Area Development Projects.

The case was presented by Env. Consultant Shri Krishan Chandra Panda, M/s. Oceao Enviro Management Solutions India Pvt. Ltd. Noida, UP (online) and PP Shri Yatish Jain, (online) Executive Engineer, Division No. 1, Bhopal Development Authority, Bhopal.

During presentation it was observed by the committee that as per the Google image uploaded online and presented by the PP, it was observed that many developmental activities and developed colonies were in existence within the project boundary and appears

to be case of violation for which PP and consultant submitted that these projects are not part of this scheme and project boundary is wrongly marked on Google Image. They have not started any construction proposed in this project. Thus committee instructed PP to upload correct boundary of the proposed project for further consideration of this case.

12. Case No 9706/2023 Shri Aabhash Gupta, Proprietor, M/s Ananya Engineering Private Limited, R/o Rudraksh Park Phase-II, Flat No. 402, Bawadiya Kalan, District-Bhopal (MP)-462042, Prior Environment Clearance for Badayala Chourasi Murram Quarry (Temporary Permit) in an area of 1.72 ha. (20,000 Cum per annum) (Khasra No. 165 Govt.), Village-Badayala Chourasi, Tehsil-Piploda, District-Ratlam (MP)

This is case of Murram Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 165 Govt.), Village-Badayala Chourasi, Tehsil-Piploda, District-Ratlam (MP) 1.72 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री अभिलाष गुप्ता के अधिकृत प्रतिनिधि श्री राजकुमार राजपूत और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम माधव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन. सी., बडोदरा (गुजरात) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 379 दिनांक 10/02/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

सिया के पत्र क्र०. 3082 दिनांक 16/03/2023 के माध्यम से उक्त प्रकरण से संबंधित शिकायत-पत्र क्र०. 23/32 दिनांक 15/03/2023 प्राप्त हुआ है जिसमें सरपंच, कार्यालय ग्राम पंचायत बड़ायला चौरासी, जनपद पंचायत पिपलोदा, जिला-रतलाम, म.प्र. ने अपने शिकायत में उल्लेख किया है, कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम पंचायत बड़ायला चौरासी की फर्जी और जाली अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया है एवं उक्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र पर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री प्रकाश धाकड़ के नकली और जाली हस्ताक्षर किये गये हैं। शिकायतकर्ता श्री प्रकाश सरपंच, ग्राम पंचायत बड़ायला चौरासी ने निवेदन किया है, कि उनकी आपत्ति को स्वीकार करते हुये मे०. अनन्या इंजीनियरिंग प्रा०. लि०., द्वारा प्रकरण को खारिज/निरस्त करने की मांग की गई है। समिति परियोजना प्रस्तावक का पक्ष सुनते हुये चर्चा उपरांत निर्णय लिया है, कि संबंधित कलेक्टर/जिला प्रशासन से इस संदर्भ में जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया जाये तथा उसके आधार पर आगामी कार्यवाही प्रस्तावित की जाये।

समिति ने यह भी पाया कि इस प्रकरण में जो एनओसी सरपंच द्वारा दी गई है उसमें ग्राम सभा की बैठक का कोई उल्लेख नहीं किया गया है तथा स्वतः ही जारी की गई है अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया इस पर संज्ञान ले तथा यदि उचित समझे तो यह निर्देश प्रसारित करे कि सरपंच के अनापत्ती प्रमाण पत्र में ग्राम सभा की बैठक/ठहराव प्रस्ताव का उल्लेख हो तथा उसके कार्यवाही विवरण को संलग्न भी किया जाये।

13. Case No 9696/2023 Shri Premnarayan Nagar, Owner, R/o Village-Bhatkhedi, Teshil-Sarangpur, District-Rajgarh (MP)-465687, Prior Environment Clearance for Bhatkhedi Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (5000 Cum per annum) (Khasra No. 950/1 Govt.), Village-Bhatkhedi, Tehsil-Sarangpur, District-Rajgarh (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 950/1 Govt.), Village-Bhatkhedi, Tehsil-Sarangpur, District-Rajgarh (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री प्रेमनारायण नागर (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 68 दिनांक 30/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदाने स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 04.00 हे. है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान शासकीय भूमि पर आवंटित जिसके उत्तर दिशा में 178 मी. पर एक जल रोकने की संरचना स्थित है, पूर्व दिशा में 509 मी. पर आबादी है एवं पूर्व दिशा में ही 467 मी. पर पक्का रोड है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जल रोकने की संरचना के संदर्भ में के संरक्षण हेतु गारलेंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक भी प्रस्तावित किये गये हैं तथा जिसको प्रस्तुतीकरण में सर्फेस मेप में दर्शाया गया है। आवंटित खनन क्षेत्र के उत्तर दिशा में 60 मीटर पर कच्चा रोड़ है जिसके संदर्भ में यह हॉल रोड़ है तथा इसी प्रकरण आवंटित खनन क्षेत्र के पूर्व दिशा में 25 मीटर पर मौसमी नाला है जिसके संरक्षण हेतु परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 25 मीटर का सेट बेक प्रस्तुतीकरण में छोड़ा गया है तथा सेक बेक छोड़ने के उपरांत लगभग 1.80 हे. का क्षेत्र खनन हेतु उपलब्ध होगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 01 पेड़ लगा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इसे काटा नहीं जायेगा तथा संरक्षित किया जायेगा। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑनलाईन अपलोड फार्म-1 में जानकारी (वृक्षारोपणों की संख्या, बजट, सीईआर हेतु प्रस्ताव इत्यादि) तथा प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत जानकारी में कुछ जगहों पर अंतर था जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रस्तुतीकरण बनाते समय कुछ जानकारीयों में सेंक की विगत बैठकों में दिये गये सुझावों के अनुरूप सुधार किया गया है जिस कारण यह अंतर परिलक्षित हो रहा है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के पत्र क्र. 68 दिनांक 30/01/2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ ली जावेगी। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 5000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.16 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.39 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
ग्राम में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 3 बी पी मशीन 3 शुगर टेस्टिंग मशीन एवं पदस्थ चिकित्सक के परामर्श में जरूरत के हिसाब से उपयोग हेतु सामग्री प्रदान की जावेगी ।	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	बैरियर जोन	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, सिस्सू, बबूल, महुआ, जंगल जलेबी, अचार, नीम, सीताफल, आम, चिरोल आदि ।	370
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, पीपल, करंज, आदि ।	300
3	माइन लीज के पूर्व की ओर प्रस्तावित गैर खनन क्षेत्र	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, खमेर, आवला, नीम, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, बरगद, करंज आदि ।	300
4	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन आदि ।	1430
योग			2400

14. Case No 9698/2023 Smt. Anjana Chandel, Lessee, R/o House No. 183, Ward No. 5, Chandrashekhar Ward, Ghuwara Ghura, District-Chhatarpur (MP)-471313, Prior Environment Clearance for Ghuwara Murum Deposit in an area of 1.237 ha. (4000 Cum per annum) (Khasra No. 1132/1, 1132/2 Private.), Village-Ghuwara, Tehsil-Ghuwara, District-Chhatarpur (MP)

This is case of Murum Deposit. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1132/1, 1132/2 Private), Village-Ghuwara, Tehsil-

Ghuwara, District-Chhatarpur (MP) 1.237 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती अंजना चंदेल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 56 दिनांक 06/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है जिसके दक्षिण-पश्चिमी दिशा में क्रमशः 346 एवं 480 मी. पर अधूरा भवन निर्माण कार्य दिख रहा है तथा दक्षिण दिशा में 412 मी. पर एक पक्का रोड स्थित है। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि खदान क्षेत्र में 12 पेड़ लगे हैं जिनमें से कोई भी पेड़ को काटा जाना प्रस्तावित नहीं है क्योंकि प्रकरण मुरुम खनन का जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र के बीच से एक कच्चा रोड निकल रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पगडंडी है कच्चा रोड नहीं क्योंकि हमारी निजी भूमि है जिसपर कोई कार्य न होने के कारण पास की खदान का हॉल रोड बन गया है। परियोजना प्रस्तावक ने यह भी बताया कि इस रोड के पूर्वी दिशा वाले भाग में कई पेड़ लगे होने के कारण वहां पर खनन (0.24 हे. क्षेत्र में) प्रस्तावित नहीं किया गया है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के पत्र क्रमांक 217 दिनांक 06/02/2023 के द्वारा सूचित किया गया है कि जिला छतरपुर की डी.एस.आर. पूर्व में दिनांक 09/05/22 को अनुमोदित की गई है और सैद्धांतिक स्वीकृति दिनांक 30/09/22 को जारी की गई है। छतरपुर जिले की अन्य गौण खनिज (रेत को छोड़कर) की डी.एस.आर. को अद्यतन किया जा रहा है। उक्त खदान को अद्यतन डी.एस.आर. में सम्मिलित किया जावेगा। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम – 4000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.18 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.60 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 18 मार्च 2023

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
ग्राम घुवारा के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बैठने के लिए 10 टेबल – कुर्सी की व्यवस्था की जायेगी ।	25,000 / –
ग्राम घुवारा के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के पेयजल के लिए आर. ओ. की व्यवस्था की जायेगी ।	25,000 / –
योग	50,000 / –

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	बैरियर जोन	बेल, इमली, आंवला, कटहल, मुनंगा, आम, सीताफल, एवं मुनंगा अमरुद अन्य स्थानीय फलदार प्रजातिया ।	460
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	100
3	घुवारा ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बेल, इमली, आंवला, कटहल, मुनंगा, आम, रुद्राक्ष, सीताअशोक, अमरुद, इत्यादि ।	920
4	शासकीय विद्यालय घुवारा में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, पुतरंजीवा, मौलश्री गुलमोहर ।	20
योग			1500

15. Case No 9708/2023 Smt. Fulmait Bai, Lessee, R/o Kaouga Bheemsela, District-Jashpur (CG)-496330, Prior Environment Clearance for Harraha Stone Quarry in an area of 1.440 ha. (24092 Cum per annum) (Khasra No. 7/1, 7/21 Govt. and Private), Village-Harraha, Tehsil-Mauganj, District-Rewa (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 7/1, 7/21 Govt. and Private), Village-Harraha, Tehsil-Mauganj, District-Rewa (MP) 1.440 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती फूलमती बाई (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 3057 दिनांक 17/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य 02 खदानें

स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, जिनका कुल रकबा 04.94 हे. है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। (कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 3057 दिनांक 17/11/2022 अनुसार खदान के 500 मीटर की परिधि 02 उत्खनिपट्टा खनिज पत्थर केशर गिट्टी हेतु रकबा 3.50 हे. है। इसके अतिरिक्त एक अन्य स्वीकृत उत्खनिपट्टा (रकबा 4.00 हे.) को वर्तमान में पर्यवसित किया गया है)। एकल प्रमाण-पत्र अनुसार खदान से वन क्षेत्र की दूरी 57 मीटर है। इस संबंध में आयुक्त रीवा संभाग रीवा की अध्यक्षता दिनांक वन समिति की बैठक दिनांक 29/12/21 को वन सीमा से 57 मीटर की दूरी की दूरी छोड़कर उपलब्ध क्षेत्र में सशर्त स्वीकृति/ अनुमति प्राप्त है। जिसमें वन सीमा से 57 मी. की दूरी छोड़कर एवं स्थल पर वन सीमा की ओर वृक्षारोपण करने तथा चेनलिंग फेंसिंग एवं ट्रेंचिंग कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार यह खदान शासकीय एवं निजी भूमि पर आवंटित है जिसके उत्तर दिशा में 60 मी. पर जलाशय (बांध) स्थित है एवं पश्चिम दिशा में 90 मी. पर भी एक जलाशय में एक जलधारा मिल रही है जिसके संरक्षण हेतु परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 100 मीटर का सेट बेक लीज क्षेत्र में छोड़ा गया है जिस कारण कुल खनन योग्य क्षेत्र 0.13 हे. उपलब्ध है तथा संरक्षण हेतु गारलैंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक भी प्रस्तावित किये गये हैं। इसी प्रकार आवंटित खनन क्षेत्र के दक्षिण दिशा में 105 मी. पर एक पक्का रोड है एवं उत्तर दिशा में 45 मी. पर एक मकान है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह उनका खुद का मकान है तथा उत्तर दिशा में 50 मीटर की दूरी पर जो मकान है उसमें कोई निवासरत नहीं है तथा खेती किसानों के औजार इत्यादि रखने हेतु बनाया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जायेगा। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि खदान क्षेत्र के भीतर कुल 15 पेड़ लगे हुये हैं जिसमें से 07 काटे जायेगा तथा उसके एवज में 70 अतिरिक्त पेंड लगाये जायेगे। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रीवा ने पत्र क्रमांक 3058 दिनांक 17/11/2022 के द्वारा सूचित किया गया है कि रीवा जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पूर्व में अनुमोदित हो चुकी है। आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त उत्खनिपट्टा सम्मिलित कर लिया जावेगा। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 24090 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.31 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.41 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 18 मार्च 2023

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
ग्राम के शासकीय माध्यमिक शाला में 1 कंप्यूटर, 1 प्रिंटर एवं 1 टेबल उपलब्ध करवाया जावेगा।	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1.	बैरियर जोन	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, सिस्सू, बबूल, महुआ, जंगल जलेबी, अचार, नीम, चिरोल, खमेर आदि।	450
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, पीपल, चिरोल, करंज, सफेद कस्टोर आदि।	120
3.	माइन लीज के प्रस्तावित गैर खनन क्षेत्र	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, खमेर, नीम, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, बरगद, करंज, नीम आदि।	300
4.	ग्राम हररहा के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कचनार, सिस्सू, चिरोल, नीम, बरगद, पीपल आदि उचित सुरक्षा व्यवस्था के साथ।	50
5.	ग्राम एवं समीप स्थित ग्राम के ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन आदि।	880
योग			1800

16. Case No 9711/2023 Shri Shivam Rathore S/o Shri Ajay Singh Rathore, R/o 747/1, Ward No. 34, Varg Ku Gauth, Janakganj, Lashkar, District-Gwalior (MP), Prior Environment Clearance for Ardauni Flagstone Quarry in an area of 2.00 ha. (5000 Cum per annum) (Khasra No. 1269 Govt.), Village- Ardauni, Tehsil-Banmore, District-Morena (MP)

This is case of Flagstone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1269 Govt.), Village- Ardauni, Tehsil-Banmore, District-Morena (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री शिवम राठौर (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 97 दिनांक 01.02.23

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर पूर्वी दिशा में 359 मी. पर कच्चा रोड है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि फ्लेग स्टोन का खनन होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के पत्र क्र. 68 दिनांक 30/01/2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ ली जावेगी। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता फ्लेग स्टोन – 5000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.63 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.40 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
ग्राम में स्थित प्राथमिक शासकीय शाला में 15 बेंच एवं डेस्क प्रदान की जावेगी साथ ही 2 ब्लैकबोर्ड एवं 2 टेबल उपलब्ध करवाई जावेगी	40,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	बैरियर जोन	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- सफेद कस्टॉर, पीपल, सिस्सू, बबूल, जंगल जलेबी, अगेव स्लिप्स, आवला, चिरोल, गूगल, अरनी, कीकड़ आदि।	380
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, पीपल, चिरोल, करंज, सफेद कस्टॉर, आदि।	465
3	ग्राम भदोरा के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कचनार, सिस्सू, नीम, बरगद, पीपल आदि।	50

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 18 मार्च 2023

4.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन आदि।	1505
			योग 2400

17. Case No 9712/2023 M/s S S Crusher, Shri Rahul Sukhwal, Partner, R/o Village-Ambodiya, Gram Panchayat-Ambodiya, Tehsil-Ghattiya, District-Ujjain (MP), Prior Environment Clearance for Ambodiya Stone (Gitti) Quarry for STP in an area of 2.400 ha. (1,17,500 Cum total production) (Khasra No. 510/1, 510/2, 511, 596), Village-Ambodiya, Tehsil-Ghattiya, District-Ujjain (MP)

This is case of Stone (Gitti) Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 510/1, 510/2, 511, 596), Village-Ambodiya, Tehsil-Ghattiya, District-Ujjain (MP) 2.400 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्रीमती राहुल सुकवाल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना एवं सुश्री रीना त्रिवेदी (ऑनलाईन), मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 276 दिनांक 02.02.23 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर दो भागों में आवंटित है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जो छोटा वाला भाग है उसमें खनन नहीं किया जायेगा तथा वहां पर साईट ऑफिस एवं क्लेशर स्थापित किया जायेगा। खदान के उत्तर एवं उत्तर-पूर्वी दिशा में 180 मी. एवं 302 मी पर पक्का रोड है। दक्षिण दिशा में 180 मी. पर कच्चा रोड है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दिशा में 180 मी पक्का रोड के कारण 20 मीटर का सेडबेक प्रस्तुतीकरण में छोड़ा गया है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन ने पत्र क्रमांक 276 दिनांक 02/02/2023 के द्वारा सूचित किया है कि जिले की डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट वर्ष 2022-23 में बनी है, तत्पश्चात् उक्त अस्थाई अनुज्ञा अनुमति प्रदान की गई है। नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर ली जावेगी। चूंकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 1,17,500 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 15.04 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.08 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
ग्राम अम्बोडिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल बेड दिए जायेंगे। 20), 000X 5) तथा स्वास्थ्य केंद्र में अधिकारी से परामर्श करके चिकित्सीय उपकरण दिया जायेगा 70),(000	1,70,000
ग्राम अम्बोडिया में मुख की स्वच्छता, मधुमेह और रक्तचाप जैसी बीमारियों के लिए जागरूकता शिविर।	30,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2900 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	हरित पट्टी (7.50 मीटर बेरियर जोन में 950 मीटर की लम्बाई पर तीन लाइनो में वृक्षारोपण किया जायेगा)	आम, नीम, खमेर, जंगल जलेबी इत्यादि	750
2.	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड(1400 मीटर) के दोनों ओर 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	नीम, पीपल, कचनार, करंज, चिरोल, आदि	700
3	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, आदि	1450
योग			2900

18. Case No 9713/2023 Shri Raj Rathore, Lessee, R/o 380, Gram-Amba, Tehsil-Piploda, District-Ratlam (MP)-457331, Prior Environment Clearance for Piploda Stone (Gitti) Quarry in an area of 3.00 ha. (20000 Cum per annum) (Khasra No. 29 Govt.), Village-Piploda, Tehsil-Piploda, District-Ratlam (MP)

This is case of Stone (Gitti) Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 29 Govt.), Village-Piploda, Tehsil-Piploda, District-Ratlam (MP) 3.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण आज सेक की 631वीं बैठक दिनांक 18/03/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

19. Case No 9707/2023 Shri Mahesh Kumar Upadhyay, Partner, M/s Godavari Mines & Minerals, R/o 211, Chandrika Parisar Apartment, Ratan Colony, Behind Gorakhpur Thane, Banarsi Das Bhanot Ward, District-Jabalpur (MP)-482001, Prior Environment Clearance for Jariha Laterite Mine in an area of 4.354 ha. (31,555 TPA) (Khasra No. 3/1/2/2, 3/2/3, 3/2/2 & 3/1/2/3 Private), Village-Jariha, Tehsil-Majhgawan, District-Satna (MP)

This is case of Laterite Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 3/1/2/2, 3/2/3, 3/2/2 & 3/1/2/3 Private), Village-Jariha, Tehsil-Majhgawan, District-Satna (MP) 4.354 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 18/03/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री महेश कुमार उपाध्याय (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 173 दिनांक 31/01/2023 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 खनिपट्टा मुख्य खनिज आयरन ओर बाक्साइट हेतु स्वीकृत है, जिसका कुल रकबा 16.19 हे. है, जो विगत कई वर्षों से बंद है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लेटराइट एवं आयरन ओर बाक्साइट एक दोनों एक-दूसरे की सदृश रहीं हैं, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान निजी भूमि पर आवंटित है जिसके अंदर कुछ स्ट्रेक्चर व शेड दिख रहे हैं, जिसके संदर्भ परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पुराने मकान/शेड है जिनको उनके द्वारा खनन के दौरान हटाया जायेगा।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र के पश्चिम एवं दक्षिण दिशा की ओर कच्चा रास्ता निकल रहा है इस संबंध परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह हमारी निजी भूमि है जिस पर खनन कार्य नहीं होने के कारण पगडंडी बनी है तथा हमारी खदान के अंदर का पहुच मार्ग है। खदान पूर्व दिशा लगभग 15 मी. पर आबादी है इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आबादी से 100 मीटर का सेट बैक नॉन माईनिंग जोन के रूप में (01.66 हे0) छोड़ा गया है तथा प्रकरण लेटराइट के खनन का होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण में अनुमोदित खनन योजना के अनुसार खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जावेगा जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने की अनुशंसा है कि आबादी के कारण जो 100 मीटर का नॉन माईनिंग जोन छोड़ा गया है उसमें फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया जाये। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सतना ने पत्र क्रमांक 173 दिनांक 31/01/23 के

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जावेगी । चूँकि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान के विवरण दर्ज नहीं है अतः अनुमोदित खनन योजना में दिये गये अक्षांश-देशांश के आधार पर प्रकरण का एप्राईजल किया गया । समिति ने चर्चा उपरान्त निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये ।परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता लेटराईट – 31,555 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 12.67 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 06.25 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि (रु.में)
आखों एव ओरल हाइजीन के इलाज के लिए सतगुरु सेवा ट्रस्ट में राशि का सहयोग ।	70,000 /—


4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 5265 वृक्षों का वृक्षारोपण :-


कं.	प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	बैरियर जोन	बेल, इमली, आंवला, कटहल, मुनंगा, आम, सीताफल, एवं मुनंगा अमरुद अन्य स्थानीय फलदार प्रजातिया ।	945
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, आम, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	180
3	जरिहा ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बेल, इमली, आंवला, कटहल, मुनंगा, आम, रुद्राक्ष, सीताअशोक, अमरुद, इत्यादि ।	3610
4	जरिहा शासकीय विद्यालय में	कदंब, अमलतास, मोलश्री, अशोक, नीम, गुलमोहर ।	30
5	गैर-खनन क्षेत्र में (1.66 हेक्टेयर)	बेल, इमली, आंवला, कटहल, मुनंगा, आम, सीताफल, अमरुद एवं अन्य स्थानीय फलदार प्रजातिया ।	500
योग			5265

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव – शुद्धि पत्र

20. Case No 9660/2023 Smt. Kanchan Dubey W/o Shri Ashish Pathak, R/o Tilak Ward No. 6, Satai Lakhanugaon, District-Chhatarpur (MP)-471408, Prior Environment Clearance for Padariya Stone Mine in an area of 2.451 ha. (Stone Gitti – 25,000 m³/year, M - Sand – 40,000 m³/year & Boulder - 5000 m³/year) (Khasra No. 27/2, 199/1/1), Village-Padariya, Tehsil-Chhatarpur, District-Chhatarpur (MP)

परियोजना प्रस्तावक ने समिति को ई-मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र दिनांक 16/03/2023 द्वारा सूचित किया है कि उनका प्रकरण एसईएसी की 626वीं बैठक दिनांक 02/03/2023 को पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशंसा सहित एसईआईए को प्रेषित किया गया है, जिसमें स्टोन-70,000 घनमीटर/वर्ष उल्लेखित है जबकि परिवेश पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन एवं अनुमोदित खनन योजना अनुसार स्टोन गिट्टी – 25,000 घनमीटर/वर्ष, एम-सैंड – 40,000 घनमीटर/वर्ष एवं बोल्डर – 5,000 घनमीटर/वर्ष हेतु शुद्धि पत्र जारी करने का अनुरोध किया है। समिति ने प्रकरण का अवलोकन किया तथा पाया कि लिपिकीय त्रुटिवश स्टोन-70,000 घनमीटर/वर्ष टंकित हो गया है। अतः समिति अपनी 626वीं बैठक दिनांक 02/03/2023 में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशंसित स्टोन-70,000 घनमीटर/वर्ष के स्थान पर स्टोन गिट्टी – 25,000 घनमीटर / वर्ष, एम-सैंड – 40,000 घनमीटर / वर्ष एवं बोल्डर – 5,000 घनमीटर/वर्ष पढ़े जाने की अनुशंसा करती है, शेष शर्तें/अनुशंसा पूर्ववत् यथावत रहेंगी।


(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव


(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - j. Minable Potential of sand mine.
 - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - l. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- ‘C’

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - p. Minable Potential of sand mine.
 - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

“Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M. of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna".
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The undertaking inter alia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
 - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 18 मार्च 2023

- DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
- ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्लिंग जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण । जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

नोट - 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास प्रजातियाँ ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
---	--	---

631वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 18 मार्च 2023

2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घांस प्रजातियाँ, खस घास अगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीटर
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर